डॉ० संजीव कुमार
इतिहास विभाग

प्रश्न :- विश्व को असीरिया सभ्यता की क्या देन है ?

उत्तर :- असीरिया ~~बेबिलोनिया~~ बेबीलोन के उत्तर में टेगरिस नदी के उत्तरी भाग में स्थित था। इस राज्य का प्रधान नगर असुर था, जिसके नाम पर सारे राष्ट्र का नामकरण असीरिया हुआ। हिट्टाइट राज्य के पतन के बाद असीरिया के लोगों ने बेबीलोन के साम्राज्य पर आक्रमण किया और एक संगठित शक्तिशाली सैनिक राज्य की स्थापना की जो ई०पू० छठी ~~शताब्दी~~ सदी तक कायम रही।

अतः विश्व-सभ्यता के विकास में असीरिया-सभ्यता की निम्नलिखित देन हैं :-

(i) असीरियन सभ्यता की सबसे बड़ी देन है उसकी शासन-व्यवस्था। उस समय असीरियन साम्राज्य पश्चिमी एशिया का सबसे बड़ा साम्राज्य माना जाता था। इतने बड़े साम्राज्य को सुचारु रूप से चलाने के लिए जिस शासन-व्यवस्था की स्थापना की गई, वह भावी साम्राज्यों के लिए अनुकरण की वस्तु हो गई। प्रांतीय शासन व्यवस्था, गवर्नरों की नियुक्ति आदि का आरंभ सर्व प्रथम असीरिया में ही किया गया था। वे सैनिक अभियांत्रिकी के आविष्कारक भी थे।

(ii) सामरिक कला के क्षेत्र में सैनिकों को घेरा डालने, धावा बोलने, किला तोड़ने, व्यूह बनाने इत्यादि की शिक्षा देने की प्रथा असीरियावालों ने ही शुरू किया।

(iii) युद्ध तथा जीवन में घोड़े तथा लोहे का प्रयोग संभवतः ~~सर्व~~ असीरियावालों ने ही किया।

(iv) असीरियावालों ने ही सर्वप्रथम संसार के सभी परिचित पदार्थों का वर्गीकरण करके प्राकृतिक विज्ञान को प्रोत्साहित किया।

(v) प्रांतीय शासन-व्यवस्था, गवर्नरों की नियुक्ति आदि का आरंभ असीरियावालों ने ही प्रारंभ किया था।

(vi) असीरिया सभ्यता की एक महत्वपूर्ण देन यह है कि उसने बेबीलोन की सभ्यता और संस्कृति को अपनाकर उसे जीवित रखा। रोम ने यूनानी सभ्यता के लिए जो कार्य किये, वही असीरिया ने बेबीलोन के लिए किया।

Scanned with CamScanner